ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 29-03-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-03-29 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-03-30	2022-03-31	2022-04-01	2022-04-02	2022-04-03
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	27.0	27.0	26.0	27.0	27.0
न्यूनतम तापमान(से.)	13.0	13.0	12.0	13.0	13.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	25	30	35	35
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	55	55	60	60
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	310	120	120	120	120
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा।अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 26.0 से 27.0 व 12.0 से 13.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से पूर्व-दक्षिण-पूर्व व उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 3 से 9 अप्रैल के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम तथा अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| पुष्पन के समय बगीचो की जुताई न करें तथा आवश्यकतानुसार बागो की सिंचाई करे। गेहूँ व अन्य बीज हेतु बोई गई फसलों में फसल पकते समय अंतिम रोगिंग कर अवांछनीय पौधों जैसे अन्य प्रजातियों एवं दूसरे तरह की बालियों एवं खरपतवारों को खेत से निकालकर नष्ट कर दें। तथा खलिहान की पूरी तरह सफाई कर दें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम शुष्क रहेगा। पुष्पन के समय कोई भी कीटनाशी दवा का प्रयोग ना करे। क्योंकि इससे परागण में भाग लेने वाली मक्खियो के मरने का खतरा होता हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	फसल में पुष्पन अवस्था में सिंचाई करें। असिंचित फसल में पुष्पन अवस्था से पूर्व यूरिया के 2 प्रतिशत घोल 20 ग्राम यूरिया प्रति लीटर पानी का पर्णीय छिड़काव करना लाभप्रद सिद्ध होगा।
चावल	पर्वतीय क्षेत्रों में, असिंचित दशा में चेतकी धान की बुवाई करें।
मसूर की दाल	फसल में दाना भरते समय आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
फील्ड पी	फलियों में दाना बनते समय आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	घाटियों में आलू की फसल में झुलसा बीमारी से बचाव के लिए 0.25 प्रतिशत इण्डोफिल-45 का घोल बनाकर छिड़काव करें, सिंचाई करें व 50 किग्रा यूरिया/है0 की इर से खड़ी फसल में डालें। खेत की तैयारी के समय 200 कुन्तल गोबर की सड़ी खाद डाले ताथा उपलब्धतानुसार आखिरी जुताई पर रासायनिक उर्वरक का भी प्रयोग करें तथा 60 सेमी की दूरी पर मेड़ बनाकर इन पर 15 सेमी की दूरी पर बीज बोयें।
टमाटर	घाटी क्षेत्रो में यदि टमाटर की पौध तैयार हो गई हो तो संस्तुति के अनुसार पौध रोपण करे। मध्यम ऊँचे पर्वतीय घाटी क्षेत्रो, में टमाटर के बीज की बुवाई पॉलीहाउस या पॉलीनेट के भीतर करे। पूर्व में बोई गई फसल में आवश्यमतानुसार निराई-गुड़ाई व सिंचाई करें। झुलसा बीमारी से बचाव के लिए 0.25 प्रतिशत इण्डोफिल-45 नामक दवा का घोल बनाकर एक छिड़काव करें|
बैंगन	मध्यम ऊँचे पर्वतीय घाटी क्षेत्रो में, बैगन के बीज की बुवाई पॉलीहाउस या पॉलीनेट के भीतर करे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	गर्भवती पशुओ में प्यूरपरल बुखार को रोकने के लिए, प्रतिदिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण को पशुओं की प्रतिरक्षा को बढ़ाने हेतु आहार के रूप में दें। इस समय पशुओं में बॉझपन और जोहन की बीमारी होने की अधिक संम्भावना है। इस स्थिति में पशुओ का तत्काल इलाज करवाए। भैंसों के बछड़े जिनकी उम्र 2 माह के आस-पास हो गई है, उनको कृमिनाशक दवा दें।